

बिहार के नौ ज़िलों के भूजल में मिला यूरेनियम

चर्चा में क्यों?

9 अक्टूबर, 2022 को जारी केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की रिपोर्ट के अनुसार बिहार के नौ ज़िलों के भूजल में यूरेनियम की मात्रा नरिधारति सीमा से अधिक होने का पता चला है।

प्रमुख बदि

- केंद्रीय भूजल बोर्ड ने राज्य में पानी की गुणवत्ता मापने के लिये विभिन्न ज़िलों से भूजल के 634 नमूने लिये थे, जिनमें 11 नमूनों में यूरेनियम 30 पीपीबी से अधिक मिला।
- जनि ज़िलों में यूरेनियम 30 पीपीबी से अधिक मिला वे हैं- सारण, भभुआ, खगड़िया, मधेपुरा, नवादा, शेखपुरा, पूर्णिया, कशिनगंज और बेगूसराय।
- केंद्रीय भूजल बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि 30 पीपीबी से अधिक यूरेनियम वाले नमूने जाँच के लिये लखनऊ भेजे गए हैं। वहीं, बोर्ड ने इसके लिये जयिलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया से भी मदद मांगी है। दोनों संस्थान मलिकर यूरेनियम के बारे में पता लगाएंगे।
- वदिति है कि राज्य में यूरेनियम को लेकर इससे पहले भी सर्वे हो चुका है। यूनरिक्सटी ऑफ मैनेजमेन्ट और महावीर कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एक अध्ययन किया था, जिसमें सुपौल, गोपालगंज, सविान, सारण, पटना, नालंदा, औरंगाबाद, गया और जहानाबाद से लिये गये नमूने में यूरेनियम मिला था।
- नरिधारति मात्रा से अधिक यूरेनियम शरीर में जाने से कडिनी की बीमारी हो सकती है। वहीं, यूरेनियम वाले पानी के सेवन से थाइराइड कैंसर, रक्त कैंसर, बोन मैरो डंपिरेशन और अन्य गंभीर बीमारियाँ हो सकती हैं। इससे बच्चों को भी कैंसर होने का खतरा रहता है।